

INSTITUTE OF ADVANCED STUDIES IN EDUCATION BILASPUR

Name – Dr. Nishi Bhambari
Class – B.Ed IIInd Year
Subject - Learning and Teaching
Paper – I
Unit – 5th Learning and Diversity
Topic – Thinking Styles

Objectives –

बी.एड. प्रशिक्षार्थी Thinking Styles को उदाहरण सहित समझ सकेंगे।

Content – Thinking Styles

– चिन्तन (Thinking) क्या है ?

चिन्तन एक उच्चस्तरीय संज्ञानात्मक/मानसिक क्रिया है, चिन्तन से तात्पर्य हमारी उन व्यवहार क्रियाओं के प्रारूप से है, जिनमें हम वस्तुओं, व्यक्तियों तथा घटनाओं का समस्या विशेष के समाधान हेतु अपने-अपने ढंग से मानसिक चित्रण या क्रियान्वयन करते हैं।

- चिन्तन का एक निश्चित उद्देश्य अथवा प्रयोजन होता है, जैसे कठिनाई अथवा समस्या को हल करना।
- वस्तुओं, क्रियाओं और अनुभवों को मानसिक रूप के संचालन से इसका संपादन होता है।
- चिन्तन मानसिक क्रिया का ज्ञानात्मक पक्ष या मनोवैज्ञानिक वस्तुओं से संबंधित मानसिक क्रिया है।

Dr. Robert Sternberg – के अनुसार व्यक्ति के जीवन में क्या घटित होता है, यह उस पर निर्भर नहीं करता है कि हम कितना अच्छा सोचते हैं बल्कि हम कैसे सोचते हैं इस पर निर्भर करता है।

चिन्तन शैली की सहायता से व्यक्ति में यह समझ विकसित हो सकती है कि कौन सी गतिविधि उसके लिए सही है और कौन सा कार्य उसके लिए सही नहीं है।

Sternberg : का मानना है कि व्यक्ति अपनी चिन्तन शैली सामाजिकरण से प्राप्त करता है।

Types of Thinking Styles

1. Legislative Thinking Style –

जिन व्यक्तियों में Legislative Style की प्रधानता होती है, वे अपना कार्य स्वयं द्वारा तय किये गये रास्तों के अनुसार करते हैं। वे सृजनात्मक कार्य को करते हैं। नई खोज करना, नवाचार करना, नई पहल करना, नवीन विचारों को साकार करना, प्रोजेक्ट पर कार्य करना, योजना बनाकर स्वयं के द्वारा नियमों का निर्धारण कर उसका पालन करते हैं।

कैसे सिखाएं – बच्चों को सृजनात्मक कार्य करने, खोज करने, स्वयं समस्या का हल करने, नई पहल करने को प्रेरित करें।

2. Executive Thinking Style

जिन व्यक्तियों में Executive Style की प्रधानता होती है, वे सर्वप्रथम स्वयं किसी समस्या को हल करने के लिए कार्य करने का प्रयास करते हैं, परन्तु पूर्ण नहीं होने पर मार्गदर्शन की अपेक्षा रखते हैं। अनुभवी व्यक्ति से मार्गदर्शन मिलने पर उनके बताए नियमों का पालन करते हैं।

3. Judicial Thinking Style

जिन व्यक्तियों में Judicial Thinking Style की प्रधानता होती है, वे प्रत्येक कार्यो को नियमपूर्वक करते हैं और किए जाने वाले कार्यो का नियमानुसार मूल्यांकन करते हैं। वे ऐसी समस्याओं का निराकरण करना पसंद करते हैं जिनकी विश्लेषण एवं मूल्यांकन किया जा सके।

ऐसे व्यक्ति दूसरों को सलाह दे सकते हैं। वे व्यक्तियों के कार्यों के भी बारे में अपना निर्णय देते हैं और मूल्यांकन करते हैं। अनुभवी व्यक्ति से मार्गदर्शन मिलने पर उनके बताए नियमों का पालन करते हैं।

4. **Monarchic Format Thinking Style**

ऐसे व्यक्ति जिनमें Monarchic Style रहती है, वे एक समय में एक ही आवश्यकता को करने हेतु प्रेरित होते हैं। वे एक अपने विचारों के अनुरूप एक ही मुद्दे को हल करने में अपना ध्यान लगाते हैं।

5. **Hierarchy Format Thinking Style**

ऐसे व्यक्ति अपना कार्य व्यवस्थित एवं संगठित रूप से निर्णय लेकर पूरा करने हेतु प्रेरित होते हैं। किसी कार्य को करने से पहले प्राथमिकता निर्धारित करते हैं। महत्वपूर्ण एवं महत्वहीन कार्यों को अलग-अलग कर अपने कार्यों को प्राथमिकता क्रम से करते हैं।

6. **Oligarchic Form of Thinking Style**

ऐसी सोच रखने वाले व्यक्तियों को अपने लक्ष्य को पूरा करने में कठिनाई होती है, कि कौन से लक्ष्य को प्राथमिकता क्रम में रखूं, इस पर निर्णय नहीं ले पाते, एक साथ कई लक्ष्यों पर ध्यान देने से दबाव एवं तनाव में रहते हैं। संसाधनों को सही ढंग से कार्यों के अनुरूप आबंटित करने में उनको कठिनाई रहती है।

7. **Anarchic Form of Thinking Style**

एक साथ कई लक्ष्य एवं आवश्यकताओं को पूर्ण करने में लगे रहते हैं। वे सृजनशील होते हैं। अपने लक्ष्य की पूर्ति करने की ओर प्रेरित होते हैं।

LEVEL

8. **Global type of Thinking Style**

व्यापक लक्ष्य को प्राथमिकता देते हैं वे व्यापक (Large) एवं अमूर्त (Abstract Issues) मुद्दों को हल करने को प्राथमिकता देते हैं।

9. Local type of Thinking Style

ऐसे व्यक्ति अपने आसपास की समस्याओं को छोटे-छोटे मुद्दों को हल करने में प्राथमिकता देते हैं।

SCOPE

10. Internal – Thinking Style

ऐसे व्यक्ति अंतर्मुखी (Introvert) प्रकृति के होते हैं। सम्मान के प्रति कम संवेदनशील होते हैं। वे अकेले ही कार्य करना पसंद करते हैं। दूसरों के प्रति जागरूकता की कमी होती है।

11. External – Thinking Style

ऐसे व्यक्ति बहिर्मुखी (Extrovert) प्रकृति के होते हैं। सम्मान के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। वे सामान्यतः समूह में कार्य करना पसंद करते हैं।

12. Conservative Thinking Style

परिवर्तन को स्वीकार कम करते हैं। अस्पष्ट परिस्थितियों से बचते हैं। नियमों में परिवर्तन को प्राथमिकता नहीं देते, वे अपने जीवन और अपने कार्यों से अच्छी जानकारी रखते हैं, सुपरिचित होते हैं।

13. Liberal – Thinking Style

वे परिवर्तन पर विश्वास रखते हैं। वर्तमान में जो नियम है उनको परिवर्तित करने की दिशा में सोचते हैं।

14. Sensitive Style

ऐसे व्यक्ति समस्याओं को हल करने के लिए अपने इंद्रियों का प्रयोग करते हैं। वे अपने संज्ञानात्मक योग्यता को परिस्थितियों की वास्तविकता की ओर केंद्रित करते हैं।

15. Perceptual or Concrete Thinking

यह मूर्त या वास्तविक विषयों की क्रियाओं पर आधारित होता है, यह चिंतन प्रत्यक्ष बोध पर आधारित है। किसी वस्तु या परिस्थिति को

देखकर चिंतन करना। किसी शब्द या नाम का प्रयोग नहीं होता। पूर्व अनुभवों पर आधारित होता है। उदाहरण स्वरूप यदि बच्चों की एक बार कहीं आग से उंगली जल जाए, तो दोबारा आग देखकर भयभीत होता है। गृहकार्य नहीं करके जाने पर दण्ड का भय होता है।

16. **Convergent Thinking (एक विध या केन्द्रित चिन्तन)**

एक तथ्य तक सीमित रहता है। बंधे बंधाए विचार तक सीमित रहता है। व्यक्ति अपने चिंतन को संकीर्ण एवं एक बिंदु पर केंद्रित प्रक्रिया को अपनाता है और अपनी समस्या के एक ही पर्याप्त हल से उचित समाधान या अनुक्रिया करता है।

17. **Divergent Thinking (विकेन्द्रित चिन्तन)**

इस चिंतन में व्यक्ति समस्या के केवल मात्र एक ही समाधान ढूंढने पर अपने सारे प्रयास करने के बजाय विद्यार्थियों से यह कहा जाता है कि वे समस्या के जितने संभावित समाधान हो सकते हैं, उनकी खोज के लिए संभव प्रयास करें। इस प्रकार के चिंतन का दायरा संकीर्ण न होकर विस्तृत होता है। Close Thinking न होकर Open Thinking होता है। बच्चों में सृजनात्मकता के विकास और पोषण में यह विकेन्द्रित चिंतन की भूमिका प्रमुख रहती है।

18. **Critical Thinking (आलोचनात्मक चिंतन)**

इस प्रकार के चिंतन में व्यक्ति अपने पूर्वाग्रहों (Prejudices) समस्याओं तथा धारणाओं से परे जाकर तथ्यों का विश्लेषण कर किसी बात की असलियत तक पहुंचता है। नई बातों को विचारों को अपनाता है। नई सोच, समझ, ज्ञान स्तर यह चिंतन व्यक्ति को प्रदान करता है। इस प्रकार के चिंतन में उच्च स्तर की संज्ञानात्मक योग्यताओं तथा कुशलताओं का प्रयोग किया जाता है।

19. **Nondirected or Associative Thinking (अनिर्देशित या सहकारी चिंतन)**

इस प्रकार के चिंतन में व्यक्ति के चिंतन का प्रयोजन शून्य और अनियंत्रित होता है। व्यक्ति का स्वपनों की दुनिया में खोए रहना, बिना किसी कारण के डरना, व्यथा की कल्पनाएं करना, पूर्वाग्रहों और कटु अनुभवों के आधार पर ग्रंथिया पालकर रखना, एक ही दिशा में सोचने के लिए बाध्य होते हैं।

20. **Creative Thinking (सृजनात्मक चिंतन)**

इस प्रकार के चिंतन में व्यक्ति किसी नई वस्तु के निर्माण करने पर जोर देता है। पूर्व स्थापित नियमों से बाध्य नहीं होता है। इसमें व्यक्ति स्वयं समस्या के स्वतंत्रतापूर्वक समाधान ढूंढता है। वैज्ञानिक तथा अनुसंधान कर्ता का चिन्तन इस प्रकार ही होता है।

21. **Reflective Thinking or Logical Thinking (विचारात्मक एवं सकारात्मक चिंतन)**

इस प्रकार के चिंतन में व्यक्ति का एक निश्चित लक्ष्य होता है। इसमें सरल समस्याओं की अपेक्षा जटिल समस्याओं का हल करना होता है। प्रयत्न एवं मूल का यांत्रिक प्रयास इनमें व्यक्ति नहीं करता बल्कि तर्क को सामने रखकर समस्या का हल ढूंढता रहता है। सभी संबंधित तथ्यों को तर्कपूर्ण क्रम में गठित करके उनमें से प्रस्तुत समस्या का समाधान निकाला जाता है।

22. **Conceptual or Abstract Thinking (संप्रत्यात्मक या अमूर्त चिंतन)**

इस प्रकार के चिंतन में व्यक्ति को वास्तविक विषयों या क्रियाओं के बोध की आवश्यकता नहीं होती, इसमें सम्प्रव्ययों का सामान्यीकृत विचारों का प्रयोग किया जाता है। इसमें भाषा की प्राथमिकता रहती है। इसमें खोज करने में सहायता मिलती है।

आंकलन –

बच्चों के लिए कौन-कौन सी Thinking Style महत्वपूर्ण है और क्यों है?